चलो हम प्रभू प्यार में मग्न हो जायें

चलें हम उस प्यार के सागर शिव पिता के प्यार में मग्न हो जायें, जिसने हमारा जीवन इतना ऊंच, श्रेष्ठ पवित्र बना दिया...., उसकी याद में खो जायें जिसने हमें सर्व सम्बन्धों का प्यार अनुभव करा दिया....., चलें हम उस शिव पिता की याद में लवलीन हो जायें जिसने हमें सर्व खजानों से भरपूर किया है..., हमारे पर अनगिनत उपकार किए हैं....,हमारे सब दु:ख हर लिये हैं....., अतिन्द्रिय सुख का अनुभव करवाकर हमारे जीवन को अलौकिकता से भरपूर कर दिया है...., चलें हम उसकी याद में समा जाएं जिसने हमें स्वराज्य अधिकारी बेफिक्र बादशाह बनाकर अनेक फिखरों से फारिग कर दिया....हम उसको दिल से याद करें जिसने हमारा जीवन पवित्रता से सराबोर कर दिया..., उसकी याद में मग्न हो जायें जो हमें स्वर्ग की बादशाही देने हमारे सन्मुख आ गया है..., हमारे लिये हथेली व वहिष्त की सौगात लेकर आया है....।

आओ हम उस परमसतगुरु का ध्यान कर लें जिसने हमें मुक्ति-जीवनमुक्ति की सच्ची राह दिखा दी है...., उस शिव साजन के नयनों में समा जाएं जिसने स्वयं हमें अपनी सजनी बनाया है..., उस खुदा दोस्त की याद में डूब जाएं जो हमें पग-पग पर मदद करने के लिए बधं गया है...., हम उसके प्यार में इतना खो जायें कि हर श्वास, हर सेकेण्ड उसकी याद के बिना बीते ही नहीं...। चलो हम परमप्रिय की उस मीठी, सुखदायी, न्यारी-प्यारी याद में डूब जाएं जो हमें देह और देह की दुनिया से दूर, बहुत दूर अपने स्वीटहोम तक ले जाती है.., अहा मेरे मीठे बाबा, प्यारे बाबा आपने हमारा जीवन कितना ऊंच व श्रेष्ठ बना दिया...।

चलें हम उस प्रियत्तम के साथ कम्बाइडं हो जाएं जो हमें अनेक जन्मों के लिए सर्वगुण सम्पन्न सोलह कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी बना रहे हैं..., अपनी सर्वशक्तियों से हमें फुलचार्ज कर रहे हैं...।

चलें हम उसके निच्छल, निर्मल व नि:स्वार्थ प्यार के अनुभव में खो जायें....। जो हजारों भुजाओं के साथ अपनी छत्रछाया में हमारी पालना कर रहा है। उस सर्वोच्च सत्ता के नशे में स्थित हो जायें जिसने अपनी सर्वशक्तियां हमें विल कर दी हैं....। उस पार ब्रह्म में रहने वाली महाज्योति की लाइट में समा जायें... जो हमें अपनी लाइट-माइट से सदा के लिए रोशन कर देता है।

किन शब्दों से उस परमज्योति की महिमा करूं जिसने हमें स्वराज्य अधिकारी, मास्टर सर्वशक्तिवान, विश्वकल्याणकारी, स्वदर्शनचक्रधारी, विजयी रतन, विघ्नविनाशक, मास्टर दु:खहर्ता, सुखकर्ता, पूजनीय व पूर्वज आत्मा, कल्पवृक्ष के फाउण्डेशन, अपने नयनों का नूर, सन्तुष्टमणि, परम पवित्र आत्मा..., अनेकानेक टाईटिलों से हमें समर्थ स्मृतियां दिलाकर हमारे भाग्य के भण्डारे भरपूर कर दिये। वाह शिव बाबा वाह, वाह ब्रह्मा बाबा वाह, वाह हमारा श्रेष्ठ भाग्य, वाह मीठा ब्राह्मण परिवार वाह.....।

ओम् शान्ति